भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3473

10 दिसंबर, 2019 को उत्तरार्थ

विषय : कृषि मशीनरी की आपूर्ति

3473. श्री ए.के.पी. चिनराजः

श्री हेमन्त पाटिलः

डॉ. हिना विजयकुमार गावीतः

श्री विनायक भाऊराव राऊतः

श्री श्रीरंग आप्पा बारणेः

क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि दो हेक्टेयर से कम के भूस्वामी सीमांत किसान अपने स्वंय के या संस्थागत ऋण के माध्यम से कृषि मशीनरी खरीदने में असमर्थ हैं और वे अभी भी शारीरिक श्रम का उपयोग करते हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उन्हें कृषि उपकरण उपलब्ध नहीं कराने के क्या कारण हैं;

(ख) किसानों के शीरीरिक श्रम को कम करने के लिए हाल के दिनों में विकसित किए गए कृषि उपकरणों, यंत्रों और विकसित किए गए औजारों का ब्यौरा क्या है और उक्त उपकरणों के विकास में शामिल केंद्रीय संस्थानों का ब्यौरा क्या है;

(ग) कृषि गतिविधियों में कृषि मशीनरी और उपकरणों का उपयोग करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए कौन से कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं/आयोजित की जा रही हैं और उक्त कार्य में कौन-सी एजेंसियां शामिल हैं;

(घ) क्या सरकार इन उपकरणों को खरीदने के लिए कम ब्याज पर ऋण देती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) किसानों को सस्ती लागत पर कृषि यंत्र और उपकरण विकसित करने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने वाले हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क): किसानों के दरवाजों पर महंगी तथा अधिक उन्नत कृषि मशीनरी किराये पर उपलब्ध कराने के लिए कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन (एसएमएएम) नामक एक समर्पित स्कीम के माध्यम से कस्टम हायरिंग केंद्रों (सीएचसी) को बढ़ावा दिया जाता है; जिसके अंतर्गत 60 लाख रूपये तक लागत वाली परियोजनाओं के लिए निजी किसानों को परियोजना लागत के 40 प्रतिशत की दर तथा 10 लाख रूपये तक लागत वाली परियोजनाओं के लिए किसान समूहों को परियोजना लागत के 80 प्रतिशत की दर से राजसहायता प्रदान की जाती है। पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) के

किसानों के लिए विशेष प्रावधान हैं; कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना हेतु एनईआर किसान समूहों को 10 लाख रूपये तक लागत वाली परियोजनाओं पर 95 प्रतिशत तक राजसहायता दी जाती है। उच्च प्रौद्योगिकी तथा उच्च मूल्य वाली कृषि मशीनरी सीएचसी की स्थापना हेतु 250 लाख रूपये तक लागत वाली परियोजनाओं के लिए निजी किसानों को परियोजना लागत के 40 प्रतिशत की दर पर सहायता दी जाती है।

फसल जलाने के कारण होने वाले वायु प्रदूषण का समाधान करने के लिए वर्ष 2018-19 से 2019-20 के दौरान 'पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश राज्यों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (सीआरएम) में फसल अपशिष्ट स्वस्थाने प्रबंधन हेतु कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देना' शुरू की गई है। इस स्कीम के अंतर्गत फसल अपशिष्ट स्वस्थाने प्रबंधन मशीनरी हेतु कस्टम हायरिंग केंद्रों की स्थापना करने के लिए किसानों को परियोजना लागत के 80 प्रतिशत की दर पर सहायता दी जाती है।

कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन (एसएमएएम) लघु एवं सीमांत किसानों, एससी/एसटी तथा महिला किसानों को अन्य किसानों के लिए 40 प्रतिशत के मुकाबले 50 प्रतिशत की दर पर उच्च राजसहायता द्वारा छोटे मानव वाहित और बैल वाहित कृषि उपकरणों तथा यंत्रों को बढ़ावा दिया जाता है।

सरकार ने बहुभाषी मोबाइल ऐप 'सीएचसी-कृषि मशीनरी' विकसित की है तथा शुरूआत की है जिससे किसानों को अपने क्षेत्र में कस्टम हायरिंग सेवा केंद्रों (सीएचसी) के माध्यम से किराए पर कृषि मशीनरी तथा उपकरण लेने में सहायता मिलती है। अब तक, इस मोबाइल ऐप पर किराए पर देने के लिए 133723 कृषि मशीनरियों के साथ 41992 सीएचसी पंजीकृत किए गए हैं। इस मोबाइल ऐप पर उपयोगकर्ता के रूप में कुल 112505 किसानों को पंजीकृत किया गया है।

एसएमएएम तथा सीआरएम के अंतर्गत स्थापित कस्टम हायरिंग केंद्रों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार, वर्षवार विवरण क्रमश: **अनुबंध-I** तथा **अनुबंध-II** पर है।

(ख): किसानों के शारीरिक श्रम को कम करने के लिए हाल ही के वर्षों में विकसित उपकरणों, यंत्रों का विवरण **अनुबंध-III** पर है।

केंद्रीय कृषि अभियांत्रिकी संस्थान (सीआईएई), भोपाल (मध्य प्रदेश) तथा आईसीएआर के अन्य 4 संस्थान तथा कृषि यंत्रीकरण पर अखिल भारतीय समेकित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) के उनके केंद्रों (25 केंद्र), पशु ऊर्जा क्षमता का उपयोग (9 केंद्र), कृषि तथा कृषि उद्योगों में ऊर्जा (16 केंद्र), कृषि में श्रमदक्षता शास्त्र तथा सुरक्षा (12 केंद्र), फसलोपरांत अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी (30 केंद्र), कृषि यंत्रीकरण तथा सटीक कृषि हेतु कंसोर्टिया अनुसंधान परियोजना केंद्र (08 केंद्र) तथा कृषि से ऊर्जा (09 केंद्र) विविध कृषिगत उपकरणों का विकास करने में लगे हुए हैं।

(ग): सरकार ने 04 कृषि मशीनरी प्रशिक्षण तथा परीक्षण संस्थान (एफएमटीटीआई) स्थापित किए हैं जो बुदनी (मध्य प्रदेश), हिसार (हरियाणा), अनंतपुर (आंध्र प्रदेश) तथा विश्वनाथ चरियाली (असम) में अवस्थित हैं। ये एफएमटीटीआई कृषि यंत्रीकरण के क्षेत्र में किसानों सहित विभिन्न वर्गों के प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण देने का कार्य करती हैं। 2014-15 से 2019-20 (अब तक) के दौरान इन एफएमटीटीआई ने 50112 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया है। एफएमटीटीआई द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं का वर्ष-वार विवरण **अनुबंध-IV** पर है।

किसानों के बीच कृषि मशीनरी तथा अन्य आधुनिक कृषिगत प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आईसीएआर संस्थान विस्तार कार्यकर्ताओं/किसानों/उद्यमियों के लिए नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हैं तथा उन्हें उपलब्ध नई कृषि मशीनरियों के बारे में अद्यतन करने के लिए किसान मेलों तथा कृषि मेलों में भाग लेते हैं। मेरा गांव मेरा देश स्कीम के अंतर्गत संस्थानों ने देश के विभिन्न जिलों के 140 गांवों को गोद लिया है। संस्थानों के वैज्ञानिक इन गोद लिए गए गांवों के किसानों के साथ इंटरफेस बैठकें कर रहे हैं तथा संस्थागत प्रौद्योगिकी के कई प्रदर्शनों तथा 1-5 दिवसीय अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

(घ): सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) स्कीम की शुरूआत की है जिससे किसान कृषिगत आदानों की खरीद कर पाते हैं तथा अपनी कृषिगत तथा उपभोग आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए नकद प्राप्त कर पाते हैं। केसीसी स्कीम को तत्पश्चात सरलीकृत किया गया है तथा इसे एटीएम इनेवल्ड रूपये डेबिट कार्ड, अन्य बातों के साथ-साथ वन टाईम डोक्यूमेंटेशन की सुविधा, सीमित बिल्ट इन कोस्ट इस्केलेशन, सीमा के भीतर अनेकों बार निकासी आदि के रूप में परिवर्तित किया गया है।

किसानों को 7 प्रतिशत प्रति वर्ष की संशोधित ब्याज दर पर कृषि ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करने के दृष्टिगत, 3 लाख रूपये तक के अल्पावधि फसल ऋण हेतु ब्याज छूट स्कीम का कार्यान्वयन किया गया है। यह स्कीम बैंकों को उनके यहां उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने पर 2 प्रतिशत प्रति वर्ष ब्याज छूट देती है। इसके अतिरिक्त, किसानों को ऋण का तत्काल भुगतान करने के लिए 3 प्रतिशत का अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाता है जिसके परिणामस्वरूप प्रभावी ब्याज दर 4 प्रतिशत तक कम हो जाती है।

(ङ.): संस्थानों तथा अखिल भारतीय समेकित अनुसंधान परियोजना (एआईसीआरपी) केंद्रों के वैज्ञानिकों को किसानों के लिए निजी/कस्टम हायरिंग आधार पर अनुकूल प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

अनुबंध: I

कृषि यंत्रीकरण उप-मिशन (एसएमएएम) के तहत स्थापित कस्टम हायरिंग केंद्रों का वर्ष-वार विवरण

	स्थापित किए गए कस्टम हायरिंग केंद्रों की संख्या	**स्थापित किए गए कस्टम हायरिंग केंद्रों की संख्या**	**स्थापित किए गए कस्टम हायरिंग केंद्रों की संख्या**	**स्थापित किए गए कस्टम हायरिंग केंद्रों की संख्या**	**स्थापित किए गए कस्टम हायरिंग केंद्रों की संख्या**	**स्थापित किए गए कस्टम हायरिंग केंद्रों की संख्या**	**स्थापित किए गए कस्टम हायरिंग केंद्रों की संख्या**
	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	अब तक का कुल योग
आंध्र प्रदेश	0	20	100	875	750	68	1813
अरुणाचल	0	0	0	6	1	0	7
असम	86	0	12	50	0	0	148
बिहार	126	0	271	0	0	0	397
छत्तीसगढ़	25	0	87	137	523	265	1037
गुजरात	17	8	0	0	0	0	25
हरियाणा	30	0	0	0	752	225	1007
हिमाचल प्रदेश	3	1	2	3	5	25	39
जम्मू एवं कश्मीर	0	0	0	4	17	216	237
झारखंड	53	45	50	34	100	0	282
कर्नाटक	2	0	6	35	100	35	178
केरल	29	0	7	72	129	129	366
मध्य प्रदेश	18	22	0	100	85	110	335
महाराष्ट्र	67	38	57	63	97	95	417
मणिपुर	10	0	0	5	315	0	330
मेघालय	0	0	0	0	0	0	0
मिजोरम	4	10	10	30	27	85	166
नागालैंड	13	4	12	30	42	40	141
उड़ीसा	31	0	720	400	450	10	1611
पंजाब	34	0	1009	166	0	0	1209
राजस्थान	65	0	0	238	0	0	303
सिक्किम	1	0	6	3	0	4	14
तमिलनाडु	85	99	250	540	1120	435	2529
तेलंगाना	9	0	10	30	0	0	49
त्रिपुरा	4	4	0	83	100	100	291
उत्तर प्रदेश	360	175	706	361	437	0	2039
उत्तराखंड	13	13	26	369	60	400	881
पश्चिम बंगाल	28	60	7	118	79	58	350
कुल	**1113**	**499**	**3348**	**3752**	**5189**	**2300**	**16201**

अनुबंध- II

'पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश राज्यों तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (सीआरएम) में फसल अपशिष्ट स्वस्थाने प्रबंधन हेतु कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा' नामक एक नई केंद्रीय क्षेत्रक स्कीम के तहत स्थापित कस्टम हायरिंग केंद्रों (सीएचसी) की संख्या

राज्य	2018-19	2019-20
	स्थापित सीएचसी	स्थापित सीएचसी
पंजाब	4466	5505
हरियाणा	1194	1300
उत्तर प्रदेश	2300	1817
कुल	**7960**	**8622**

अनुबंध-।।।

किसानों के शारीरिक श्रम को कम करने के लिए पिछलों कुछ वर्षों में आईसीएआर द्वारा विकसित की गई प्रौद्योगिकियां/मशीनें

- ऐलोवेरा पूर्ण जेल निष्कर्षण उपकरण
- पशु उठाने का उपकरण
- वृत्तीय बागवानी उत्पाद के लिए स्वचालित पैकिंग लाइन
- फसल अवशिष्टों से बाइंडरलेस ब्रिकेट्स
- बायोचार उत्पादन प्रौद्योगिकी
- सी.आई.ए.ई. केला चिपर श्रेडर
- सी.आई.ए.ई. बाजरा मिल
- सी.आई.ए.ई. एस.पी.ए.डी. मीटर
- कलर सेंशर आधारित खरपतवारनाशी एप्लीकेटर
- सब्जी उत्पादन के लिए रंगीन शेडनेट - एक वरदान
- नियंत्रक आधारित पाँच कतारी बीज सह उर्वरक ड्रिल
- धान तथा गेहूँ की खेती में ड्रिप सिंचाई प्रणाली
- हर्बीसाइड स्ट्रिप एप्लीकेटर-कम-प्लान्टर
- ऊँची तली वाला बहुउद्देश्य वाहन
- डंठल उखाड़ने का हस्तचालित यंत्र
- अधिक अंतर वाली खेत फसलां के लिए यांत्रिक अंतरा और अंतर पंक्ति यंत्र
- गार्सीनिया रस के लिए यांत्रिकीकरण पैकेज
- केले के छद्म तने के बाहरी म्यान से रस्सी बनाने के लिए मशीनीकरण पैकेज
- केले के केन्द्रीय कोर के न्यूनतम प्रसंस्करण हेतु मशीनीकरण पैकेज
- गन्ने की चिप प्रौद्योगिकी के लिए मशीनीकरण पैकेज
- बाजरा फ्लेकिंग मशीन
- मल्चर सह क्यारी रोपाई मशीन
- बहुफसलीय थ्रेशर
- परिवर्तनीय दर वाला ऑन-द-गो यूरिया एप्लीकेशन प्रणाली
- पायलट स्तर पर संशोधित वातावरण भण्डारण प्रणाली (एम.ए.एस.)
- न्यूनतम प्रसंस्करित ताजी कटी सब्जियों के उत्पादन के लिए पायलट इकाई
- पी.एल.ए. आधारित जैव विद्यटनीय फिल्म
- प्लग प्रकार का स्वचालित सब्जी प्ररोपक
- पोर्टेबल धान पुआल ब्रिकेटिंग मशीन
- खेत की फसलों के लिए रियल टाइम समरूप छिड़काव प्रणाली
- फल पकाने का कक्ष
- अर्द्धस्वचालित सब्जी प्ररोपक

- स्थल विशिष्ट अधिक अंतर वाली खेत फसलां के लिए उर्वरक एप्लीकेटर
- छोटे बीज बोने वाला रोपाई यंत्र
- सौर पीवी आधारित प्रशीतन प्रणाली
- सबसर्फेस ड्रिप बिछाने की मशीन
- गन्ने का रस बनाने के लिए गन्ना छीलने का उपकरण
- ट्रेक्टर चालित प्लास्टिक मल्च बिछाने की मशीन
- ट्रेक्टर चालित रोटरी के साथ चौड़ी क्यारी निर्माण सह बीज बुवाई यंत्र
- ट्रेक्टर से जोड़कर चलाया जाने वाला अदरक रोपाई यंत्र
- ट्रेक्टर चालित कसावा स्टेक कटर प्लांटर
- ट्रेक्टर चालित सब्जी रोपाई यंत्र
- दो चरणां वाली बीज सह उर्वरक ड्रिल
- ट्रेक्टर के लिए एयर प्रेशर ब्रेक प्रणाली
- पशुचालित सी.ए.ई.पी.एच.टी. बहुउद्देश्य टूल फ्रेम
- पशुचालित उन्नत हल
- हाईब्रिड धान के लिए पशुचालित अवनत प्लेट प्लान्टर
- पशुचालित मक्का रोपाई यंत्र
- पशुचालित प्लास्टिक मल्च बिछाने की मशीन
- बे लीफ के लिए पशुचालित रोटरी मोड गियर वाला ग्राइन्डर
- इंटर क्रॉपिंग के लिए पशुचालित सीड ड्रिल
- मक्का तथा बक व्हीट की बुवाई के लिए पशुचालित एकल कतारी बहुफसलीय जीरो टिल सीड ड्रिल
- पहाड़ी क्षेत्र के लिए अक्षीय प्रवाह बहुफसलीय थ्रेशर
- अनानास की कटाई के लिए फलों को पकड़ने वाले ब्रश कटर अटेचमेंट
- ब्रेक प्रणाली वाली बैल गाड़ियां
- बैल चालित एयर मिस्ट केनोपी स्प्रेयर
- बैल चालित कपास रोपाई सह उर्वरक ड्रिल
- संरक्षण पूर्ण जुताई तथा अवशिष्ट प्रबंधन हेतु बैल चालित उपकरण
- बैल चालित बहुउद्देश्य टूल
- बैल चालित रिज प्रकार ड्रम सीडर
- बैल चालित सौर ऊर्जा संचालित स्प्रेयर
- बैल चालित सोर्घम हार्वेस्टर
- गन्ना तथा हल्दी की फसलों के लिए बैल चालित खुदाई करने व खरपतवार निकालने का उपकरण
- बैल चालित उर्वरक एप्लीकेटर सह रिजर
- काजू छिलाई यंत्र
- चेक बेसिन निर्माण यंत्र

- नियंत्रित पावर टिलर मोड़ने की प्रणाली
- बेहतर पशु स्वास्थ के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध कच्चे माल का उपयोग करके किफायती पशु आवास संरचना
- दो पहिया ट्रैक्टर ट्रेलर के लिए दक्षतापूर्ण हाइड्रॉलिक ब्रेकिंग प्रणाली
- फीड इन प्रकार रागी थ्रेशर सह पर्लर
- खुदाई तथा उर्वरक डालने की मशीन
- गन्ने के लिए उर्वरक डिबलर
- लहसुन रोपाई यंत्र
- जी.पी.एस. आधारित परिवर्तनीय दर वाला दानेदार उर्वरक एप्लीकेटर
- प्याज के गुच्छे के लिए हार्वेस्टर सह कलेक्टर यंत्र
- पहाड़ों में शेरपा विधि से सिर पर बोझ ले जाने के लिए उन्नत टोकरी स्थिर रखने का यंत्र
- फलों की कटाई के लिए उन्नत सीढ़ी
- बड़ी इलायची की कटाई के लिए उन्नत चाकू
- उन्नत योक/हार्नेस
- ट्रैक्टरों के लिए स्वदेश निर्मित केविन
- नैपसेक प्रकार का वायवीय कपास चुनने का यंत्र
- कम वजन वाला शक्ति चालित धान
- गेहूँ की बुवाई के लिए धान पुआल प्रबंधन हेतु चारा कटाई यंत्र
- कम लागत वाला पशुचालित बहुफसलीय सीड ड्रिल
- सेब की कटाई के लिए कम लागत वाली बांस की सीढ़ी
- कम लागत वाली गुरूत्वाकर्षण आधारित रोपवे
- रोटरी ट्रांसमिशन प्रणाली के लिए कम ऊष्मा वाली पिसाई मशीन
- रोटरी मोड के माध्यम से कम दबाव पर हवा से बिजली का उत्पादन
- हस्तचालित ग्लेडीओलस रोपाई यंत्र
- हस्तचालित जामुन तुड़ाई/कटाई उपकरण
- अक्षीय प्रवाह धान थ्रेशर की यांत्रिक भराई प्रणाली
- पशु आधारित कृषि प्रणाली के लिए पहाड़ की ढलानों पर जड़ीय फसलें (आलू और अदरक) की खेती के लिए यांत्रिकृत इकाई प्रचालन
- प्रचालकों के लिए शोर के स्तर को कम करने के लिए संशोधित मफलर
- बीज मसालों के लिए बहुफसलीय बुवाई यंत्र
- बीज मसालों के लिए बहुफसलीय थ्रेशर
- प्याज प्ररोपक
- छत्तीसगढ़ के नर भैंसे के लिए तैयार किए गए पशु चालित उपकरणों का पैकेज
- हल्दी व अदरक की फसल के लिए पशु चालित उपकरणों का पैकेज

- मूंगफली तथा कपास की फसल के लिए बैल चालित उपकरणों का पैकेज
- मूंगफली तथा मूंग दाल की फसल के लिए बैल चालित उपकरणों का पैकेज
- धान की खेती के लिए उन्नत पशु चालित उपकरणों का पैकेज
- सरसों की खेती के लिए उपयुक्त उपकरणों का पैकेज
- धान की खेती के लिए औजारों व उपकरणों का पैकेज
- फोर व्हील ड्राइव ट्रैक्टर के लिए अटेचमेंट के रूप में धान प्ररोपक
- धान निदाई यंत्र
- वर्तमान छःकतारी स्वचालित धान प्ररोपक के लिए अटेचमेंट के रूप में धान निदाई यंत्र
- पैडल सह शक्ति चालित सुपारी फोड़ाई यंत्र
- धान की सीधी बुवाई यंत्र के लिए प्लांटर सह खरपतवारनाशी एप्लीकेटर
- वायवीय नर्सरी सीडर
- वायवीय पहियायुक्त स्टील बैलगाड़ी
- अल्ट्रासोनिक सेंशर पर आधारित अनार छिड़काव प्रणाली
- शक्ति चालित लहसुन का तना व जड़ कटाई यंत्र
- शक्ति चालित प्याज डी टॉपर सह ग्रेडर
- शक्ति चालित गन्ने का सेट कटाई यंत्र
- पावर टिलर चालित अवनत प्लेट प्लान्टर
- पावर टिलर चालित बहुउद्देश्य सीड ड्रिल सह प्लान्टर
- पावर टिलर चालित आलू तथा अदरक रोपाई यंत्र
- लाल चना प्रोट्रे सीडर
- स्वचालित 8 कतारी पूर्व अंकुरित धान सीडर, 3 कतारी धान प्ररोपक
- स्वचालित चारा कटाई यंत्र
- स्वचालित मूंगफली कम्बाइन
- छोटे बीजों के लिए रोपाई यंत्र
- छोटा ट्रेक्टर चालित फसल अवशिष्ट छटाई यंत्र
- छोटा ट्रेक्टर चालित अंतःकतारी कल्टीवेटर
- छिड़काव सुरक्षा किट
- कपास की फसल के लिए शक्ति चालित निंदाई यंत्र के हेतु अटेचमेंट के रूप में स्टेम एप्लीकेटर
- गन्ना प्ररोपक
- उर्द्धवाधर कन्वेयर रीपर में कंपन कम करने के लिए उपयुक्त आइसोलेटर्स
- टैपियोका डिटॉपर
- मूंगफली के लिए बुवाई तथा खरपतवार नाशी छिड़काव हेतु ट्रैक्टर चालित रोपाई यंत्र सह बूम स्प्रेयर
- ट्रैक्टर चालित हल्दी खुदाई यंत्र

- ट्रैक्टर के सामने जोड़कर चलाया जाने वाला हाइड्रॉलिक चालित तीन कतारी सोर्घम हार्वेस्टर
- ट्रैक्टर से जोड़कर चलाया जाने वाला चारा कटाई यंत्र
- ट्रैक्टर से जोड़कर चलाया जाने वाला जड़ीय फसल हार्वेस्टर सह एलीवेटर
- ट्रैक्टर चालित कसावा खुदाई हार्वेस्टर
- ट्रैक्टर चालित लहसुन हार्वेस्टर
- ट्रैक्टर चालित मल्च बिछाने की मशीन
- क्यारी में रोपाई के लिए ट्रैक्टर चालित बहुफसलीय रोपाई यंत्र
- आलू तथा गन्ने की रोपाई के लिए ट्रैक्टर चालित रोपाई यंत्र
- सोर्घम तथा बाजरा के लिए ट्रैक्टर चालित इयरहेड सेपरेटर
- ट्रैक्टर चालित गन्ना हार्वेस्टर
- नियंत्रित समतलीकरण एवं पडलिंग के लिए ट्रैक्टर चालित प्रणाली
- एस.एस.आई. गन्ने की रोपाई के लिए रोपाई यंत्र
- हल्दी पॉलिशर
- हल्दी की जड़ों के लिए रोपाई यंत्र
- वैरिएबल रेट वर्टिकल बूम टाइप एयर-असिस्टेड स्प्रेयर
- गेहूँ व चारा कम्बाइन

अनुबंध. IV

एफएमटीटीआई द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं का वर्षवार विवरण

वर्ष	**सीएफएमटीटीआई, बुदनी (मध्य प्रदेश)**	**एनआरएफएमटीटीआई, हिसार, हरियाणा**	**एसआरएफएमटीटीआई, अनंतपुर (आंध्र प्रदेश)**	**एनआरएफएमटीटीआई विश्वनाथ चरियाली (असम)**	**कुल**
2014-15	2226	1917	1707	823	6673
2015-16	2089	2183	2414	934	7620
2016-17	3052	2725	2619	1027	9423
2017-18	3004	2933	2736	1016	9689
2018-19	3042	3105	3105	1004	10256
2019-20 (तक)	1914	1765	2064	708	6451
कुल योग	**15327**	**14628**	**14645**	**5512**	**50112**

*****